आईपीआर और प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण पर कार्यशाला-15 अप्रैल 2023

उद्देश्य: आईपी और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के प्रति संकाय सदस्यों और छात्रों को प्रोत्साहित करना और जागरूक करना

राष्ट्रीय कृषि नवाचार कोष (एनएआईएफ) - संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई (आईटीएमयू) और कृषि व्यवसाय ऊष्मायन (एबीआई) केंद्र ने 15 मई 2023 को दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए "आईपीआर और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पर कार्यशाला" का आयोजन किया। . कार्यक्रम में कुल 60 संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। डॉ. ए.के. बालंगे (प्रभारी अधिकारी, आईटीएमयू और पीआई - एबीआई) ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के पूर्व डॉ. रविशंकर सी. एन. (निदेशक, आईसीएआर- सीआईएफई) ने वैज्ञानिकों और छात्रों से उपयुक्त तकनीकों का विकास करने का आग्रह किया, जिसे समुदाय द्वारा आत्मसात किया जा सके और आईपी की रक्षा करके हर कोई पैसा कमा सके। वैश्वीकरण के कारण व्यवसायीकरण की दर बढ़ रही है, इसलिए आविष्कारकों के लिए आईपी सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। "भारतीय कॉपीराइट कानून और अनुसंधान संस्थानों के लिए निहितार्थ" पर एक अतिथि व्याख्याता डॉ. अश्विनी सिवाल, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा दिया गया था। इसके बाद डॉ. विक्रम सिंह, आईपीटीएम यूनिट, आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा "इनमें अनुसंधान और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण एवम आईपीआर का महत्व" पर अतिथि व्याख्यान दिया गया।"। जहां उन्होंने छात्रों और फैकल्टी मेंबर्स को पेटेंट भरने के लिए प्रेरित किया और उद्यमिता विकास को बढ़ावा दिया। डॉ. गौरी एम.एच., आरए- आईटीएमयू द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया, जहां उन्होंने अतिथि संकाय डॉ. अश्विनी सिवाल और डॉ. विक्रम सिंह, निदेशक आईसीएआर-सीआईएफई, आईटीएमयू और एबीआई सदस्य, सभी संकाय सदस्य और छात्र को धन्यवाद दिया।

Sweta Pradhan
Suman Manna, I...
Dr.Parimal Sardar
Dr. G. Biswas
Amrin Mahendr...
Satya Narayan S...
ICAR-CIFE
Barrackpore

ICAR-CIFE

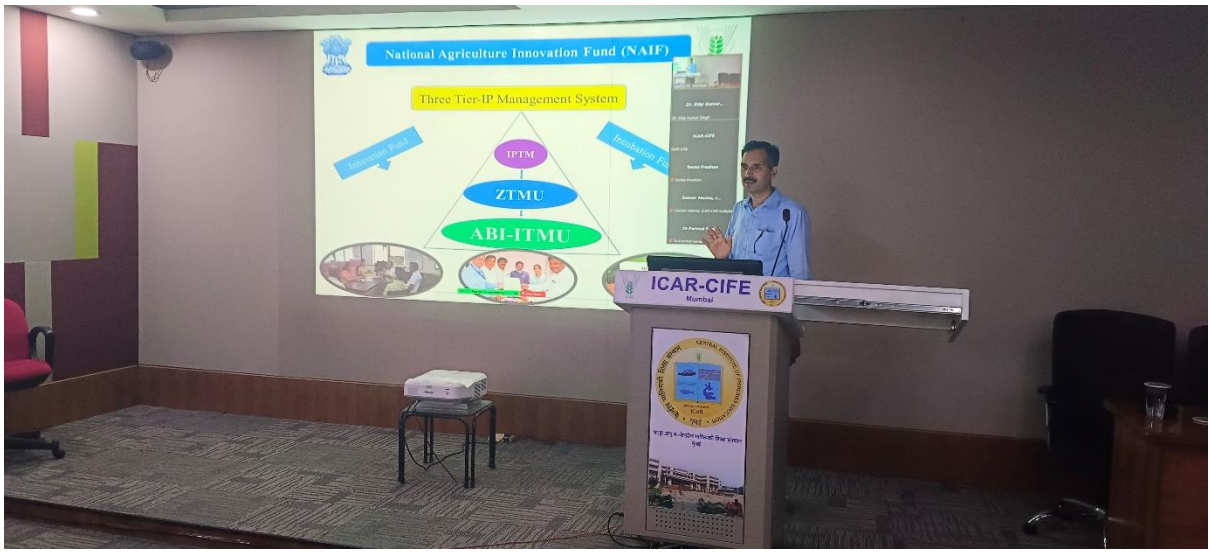
National Agriculture Innovation Fund (NAIF)
Three Tier-IP Management System
IPTM
ZTMU
ABI-ITMU
ICAR-CIFE
Mumbai